# हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2021

## एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन

*समय : 2 घण्टे* *अधिकतम अंक : 50*

***नोट :*** ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

**1.** निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) कठण लगन की पीर रे, हरि लागी सोई जाने ।
प्रीत करी कछु रीत न जाणी, छोड़ चले अधबीच ।।
दुख की बेला कोई काम न आवे, सुख के सब हैं मीत ।।
मीरां के प्रभु गिरधरनागर, आखर जात अहीर ।।

(ख) (ऊदाँ) भाभी बोलो वचन बिचारी
साधां की संगत दुख भारी, मानो बात हमारी ।
छापा तिलक गलहार उतारो, पहरो हार हजारी ।।

रतन जड़ित पहरो आभूषण, भोगो भोग अपारी ।
मीरांजी थे चलो महल में थांने सोगन म्हारी ।।
(मीरां) भावभगत भूषण सजे, सील संतोष सिंगार ।
ओढ़ी चूनर प्रेम की, गिरधरजी भरतार ।।
ऊदाँ बाई मन समझ, जावो अपने धाम ।
राजपाट भोगो तुम्हीं, हमें न तासूँ काम ।।

(ग) बादल देख डरी हो, स्याम मैं बादल देख डरी ।
काली पीली घटा उमंगी, बरस्यो एक घरी ।
जित जाऊं तित पानि हि पानी, हुइ सब भोम हरी ।।
जाका पिव परदेश बसत है, भीजै बार खरी ।।
मीरां के प्रभु गिरधरनागर, कीज्यो प्रीत खरी ।।

(घ) जोगी म्हाँने दरस दियाँ सुख होइ ।
नातरि दुखी जग मांहि जीवड़ो निसिदिन झूरै तोइ ।
दरस दिवानी भई बावरी, डोली सब ही देस ।
मीरां दासी भई है पंडुरी, पलट्या काला केस ।।

**2.** मीरा की पारिवारिक पृष्ठभूमि का परिचय देते हुए मीरा पर पड़े उसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए । *10*

**3.** मीरा की भक्ति के शास्त्रीय स्वरूप का विवेचन कीजिए । *10*

**4.** मध्यकालीन भक्त कवयित्रियों का परिचय देते हुए उनकी कविता की विशेषताएँ बताइए । *10*

**5.** मीरा की कविता में पितृसत्तात्मक व्यवस्था के प्रति विद्रोह के स्वरों की पड़ताल कीजिए । *10*

**6.** निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) मीरायुगीन समाज व्यवस्था

(ख) सहजोबाई

(ग) मीरा का महत्त्व

(घ) मीरा और महात्मा गाँधी